हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, सोमवार 5 जनवरी 2026

11 प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में प्रीति रही अव्वल

12 खुश रहने को सकारात्मक जीवनशैली अपनाएं

खबर संक्षेप

आज आयोजित होंगे समाधान शिविर

झज्जर। जिले में आमजन की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से

सोमवार को जिला मुख्यालय सहित सभी उपमंडलों में समाधान शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक संचालित होंगे। जिला स्तरीय समाधान शिविर का आयोजन लघु सचिवालय परिसर स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में किया जाएगा, जिसकी अध्यक्षता डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल स्वयं करेंगे। वहीं, उपमंडल स्तर पर समाधान शिविरों में संबंधित एसडीएम लोगों की समस्याएं सुनेंगे।

अतिदेय ऋणी किसानों को मिलेगी राहत

झज्जर। सरकार द्वारा अतिदेय ऋणी किसानों को ऋण मुक्त करने के उद्देश्य से हरियाणा राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के माध्यम से एकमुश्त ऋण समाधान योजना लागू की गई है। यह योजना किसानों के लिए ऋण के बोझ से बाहर निकलने का अवसर है। डीसी स्वप्निल रविन्द्र पाटिल ने बताया कि ओटीएस योजना के अंतर्गत यदि अतिदेय ऋणी किसान द्वारा पूरा मूलधन जमा कर दिया जाता है, तो अतिदेय ब्याज में 50 प्रतिशत तक की माफी तथा सम्पूर्ण जुर्माना ब्याज पूरी तरह माफ किया जाएगा। इससे किसानों को बड़ी आर्थिक राहत मिलेगी।

सर्कल नेशनल कबड्डी के लिए ट्रायल आज

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा 19वीं सर्कल नेशनल कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन 10 से 12 जनवरी तक श्री गुरुद्वारा साहिब बाजपुर, नैनीताल में किया जाएगा। इसमें देश के सभी राज्य की टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए हरियाणा राज्य की पुरुष एवं महिला कबड्डी टीमों के चयन के लिए राज्य स्तरीय ट्रायल सोमवार को गांव सुताना मतलौडा जिला पानीपत में आयोजित किया जाएगा। ट्रायल के दौरान खिलाड़ियों का चयन उनकी शारीरिक क्षमता, तकनीकी कौशल, खेल समझ के आधार पर होगा।

नशे के खिलाफ जागरुकता अभियान आज से

झज्जर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में सोमवार से 12 जनवरी तक ड्रग अवेयरनेस एंड वेलनेस नेविगेशन फॉर ए ड्रग फ्री इंडिया स्कीम के अंतर्गत विशेष जागरुकता गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। सीजेएम एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव विशाल ने बताया कि कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य युवाओं एवं आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना है। इस अभियान के अंतर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैरा लीगल वालंटियर को विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों एवं क्षेत्रों में जागरुकता कार्यक्रम आयोजित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

रामनवमी पर निकलेगी भव्य झांकी : बराही

बहादुरगढ़। भगवान परशुराम मंदिर में सनातन रक्षा दल की कोर कमेटी की मीटिंग अध्यक्ष नागेंद्र लाकड़ा और महासचिव अश्वनी कुमार बराही की अगुवाई में हुई। मीटिंग में इस वर्ष भी रामनवमी पर भव्य झांकी निकालने का निर्णय हुआ। यात्रा से पहले हवन और यात्रा समापन पर भंडारा होगा। इस वर्ष की यात्रा के लिए नीरज वत्स के नाम का अनुमोदन हुआ। मीटिंग में सुशील भारद्वाज, अनिल खुराना, दिनेश, संतोष, राजीव अरोड़ा, डा देवेंद्र पोपली, अनिल, नरेश राठी, अजय, पूजा, चिंकी व संतोष आदि मौजूद रहे।

दहशत : बेरी रोड के मॉडर्न स्कूल के बाहर शनिवार **रात 9:50** बजे ताबड़तोड़ फायरिंग

भाजपा नेता राकेश कोच के स्कूल के बाहर तीन बदमाशों ने चलाईं एक दर्जन गोलियां

खास बातें

- राकेश कोच के भाई व द न्यू ब्रेन स्कूल के संचालक योगेश उर्फ सीटू को बदमाशों ने गालियां दी
- सुबह गेट पर मिले गोलियों के निशान व खोखे देखकर घटना का पता चला, कैमरों से खुला राज
- हरियाणा ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष व हरियाणा कुश्ती संघ के महासचिव भी हैं राकेश कोच

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़ इलाका शनिवार रात को गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंज उठा। कार में सवार होकर आए बदमाशों ने हरियाणा ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष एवं हरियाणा कुश्ती संघ के महासचिव राकेश कोच के बेरी रोड स्थित स्कूल के बाहर ताबड़तोड़ फायरिंग की। दर्जनभर गोलियां चलाने के बाद बदमाश फरार हो गए। वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई है।

सेक्टर-6 थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच में सामने आया है कि बदमाशों ने राकेश कोच के भाई योगेश का नाम लेकर व गालियां देकर गोलियां चलाई हैं। योगेश का स्कूल भी इसी के बराबर में है।

दरअसल, शनिवार रात 9 बजकर 50 मिनट पर एक स्विफ्ट कार मॉडर्न स्कूल के बाहर आकर रुकी। कार से तीन बदमाश उतरे। फिर दोनों हाथों में पिस्तौल लिए हुए एक बदमाश स्कूल के गेट की ओर बढ़ा, जबकि दूसरा शख्स फोन में उसकी वीडियो बना रहा था। गेट पर पहुंचते ही बदमाश ने लगातार लगभग दर्जनभर गोलियां चलाईं। इसके बाद हथियार लहराते हुए वे फरार हो गए। सुबह जब गेट पर लगी गोलियां नजर आईं तो परिवार के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सेक्टर-6 थाना व सीआईए सहित कई टीमें मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू की। गेट में धंसी गोलियां और फर्श पर बिखरे गोलियों के खोल वारदात के मंजर की गवाही दे रहे थे। वारदात के बाद से परिवार में दहशत है।

योगेश की कुछ दिन पहले फोन पर हुई थी बहस, राकेश से भी मांगी जा चुकी रंगदारी पुलिस ने किया केस दर्ज

स्कूल के गेट में लगीं गोलियां

बहादुरगढ़। फुटेज में गोली चलाता दिखाई दे रहा बदमाश, स्कूल के गेट में गोलियों के निशान तथा फर्श पर गोल घेरों में गोलियों के खोल।

बरसाना गया हुआ था परिवार, सुबह गोलीबारी का पता चला : योगेश

बता दें कि भाजपा नेता राकेश कोच को पूर्व में एक गैंगस्टर ने रंगदारी की डिमांड करते हुए धमकी दे रखी है। फिलहाल फायरिंग का मामला राकेश के भाई योगेश उर्फ सीटू से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। बदमाशों ने सीटू का नाम लेकर गालियां देते हुए गोलियां चलाई हैं। बताते हैं कि कुछ दिन पहले योगेश उर्फ सीटू की फ्रोन पर किसी के साथ बहस भी हुई थी। पुलिस को दी शिकायत में योगेश का कहना है कि वह परिवार सहित बरसाना गया था। रात करीब साढ़े दस बजे आकर सो गया। सुबह हमारे मॉडर्न स्कूल के गेट पर गोलियों के निशान मिले। सीसीटीवी चेक करने पर मामले का पता चला। मेरा नाम लेकर गाली देते हुए फायरिंग की गई है। मॉडर्न स्कूल के स्टाफ सदस्य प्रवीण ने वारदात को देखते हुए पुलिस प्रशासन से सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है।

पूर्व विधायक ने फायरिंग पर जताया रोष

बहादुरगढ़। शहर के मॉडर्न स्कूल के बाहर शनिवार रात हुई फायरिंग की घटना को लेकर पूर्व विधायक राजेंद्र जून ने कड़ा रोष जताया है। उन्होंने इस घटना को बेहद गंभीर बताते हुए हरियाणा की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। पूर्व विधायक के अनुसार बहादुरगढ़ जैसे औद्योगिक और शैक्षणिक शहर में इस तरह की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिससे आम नागरिकों में भय का माहौल बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब भाजपा नेता राकेश कोच जैसे लोगों के यहां फायरिंग हो रही है तो आम जनता की सुरक्षा का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है।

केस दर्ज कर जांच शुरू : एसीपी

एसीपी प्रदीप खत्री का कहना है कि प्रारंभिक तौर पर मामला योगेश उर्फ सीटू से जुड़ा हुआ प्रतीत हो रहा है। सीटू पर भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। योगेश का स्कूल द न्यू ब्रेन और राकेश कोच का मॉडर्न स्कूल साथ-साथ सटे हुए हैं। योगेश की शिकायत पर विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

कुलासी में पशु व्यापारी से मारपीट, रुपये लूटे

बहादुरगढ़। उत्तर प्रदेश के एक पशु व्यापारी के साथ बहादुरगढ़ में लूटपाट की वारदात हो गई। यहां गांव कुलासी में एक प्लॉट में ले जाकर उसके साथ मारपीट करते हुए 45 हजार रुपये छीन लिए गए। सदर थाना पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। उनके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त वाहन व छीनी गई रकम बरामद कर ली है।

वारदात बागपत जिले के सोफियान के साथ हुई है। सोफियान का कहना है कि वह पेशे से पशु व्यापारी है और भैंस व कटड़े आदि खरीदता है। इस सिलसिले में तीन जनवरी को गांव कुलासी में आया था। दोपहर करीब डेढ़ बजे फेरी लगाते वक्त एक प्लॉट के पास पहुंचा तो वहां दो युवक मिले। कटड़े खरीद फरोख्त को लेकर उनसे बातचीत हुई। फिर वे दोनों उसे एक प्लॉट यानी पशु बाड़े के अंदर ले गए। इसके बाद दोनों ने मारपीट शुरू कर दी। एक ने पीछे से पकड़ा और दूसरे ने जेब से 45 हजार रुपये निकाल लिए। लूटपाट के बाद दोनों फरार हो गए। बाद में पता चला कि जिस प्लॉट में वारदात हुई है, वह किसी अनिल नाम के शख्स का है। वारदात करने वाले एक-दूसरे को अनिल व केवल नाम से पुकार रहे थे। उधर, मामले की सूचना पाकर सदर थाना पुलिस हरकत में आई। सोफियान की शिकायत पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। दोनों को बरामदगी के बाद अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

- दो आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया

पुलिस ने अतिक्रमण पर दुकानदारों को दिए नोटिस

बहादुरगढ़। दुकानदारों को हिदायत देते एसएचओ सतीश कुमार।

- ऑटो मार्केट के दुकानदारों को चेतावनी, अलॉट दुकानों में ही करें कारोबार

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

शहर में यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने व जाम की समस्या से निपटने के उद्देश्य से पुलिस ने सख्त मुहिम शुरू की है। पुलिस ने अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों को नोटिस जारी किए हैं और दुकान के बाहर सामान न रखने की हिदायत दी है।

पुलिस का कहना है कि सार्वजनिक स्थानों पर सामान रखना, रेहड़ी लगाना या अवैध कब्जा करना यातायात बाधित करता है और जाम का कारण बनता है। ऑटो मार्केट के दुकानदारों को भी सख्त चेतावनी दी गई है। जिन व्यापारियों को ऑटो मार्केट में दुकानें आवंटित हैं, उन्हें वहीं से कारोबार करने को कहा गया।

नियमों की अनदेखी करने पर संबंधित विभाग को दुकान की अनुमति रद्द करने के लिए लिखा जाएगा। ट्रैफिक एसएचओ सतीश कुमार ने बताया कि अतिक्रमण के कारण शहर में बार-बार जाम की स्थिति बनती है, जिससे आमजन को परेशानी होती है। उन्होंने कहा कि समस्या के स्थायी समाधान के लिए दुकानदारों और नागरिकों को जिम्मेदारी निभानी होगी। नागरिकों से अपील की है कि वे अतिक्रमण न करें और शहर को जाम मुक्त बनाने में सहयोग दें, अन्यथा पुलिस सख्ती करेगी।

कमरे में मृत मिला सिक्योरिटी गार्ड

बहादुरगढ़। उत्तर प्रदेश के एक व्यक्ति की बहादुरगढ़ में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह अपने कमरे में मृत अवस्था में मिला। हृदयाघात या किसी बीमारी से मौत की आशंका है। असल पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हो सकेगी। मृतक की पहचान करीब 51 वर्षीय शिवप्रकाश के रूप में हुई है। वह मूल रूप से यूपी के झांसी जिले से था। पिछले कुछ समय से यहां शनि बाजार के निकट रह रहा था। एमआईई स्थित एक कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड था। रविवार की सुबह अपने कमरे में मृत अवस्था में पाया। पुलिस ने पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया है। घटना को संयोग मानकर कार्रवाई की गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का भी इंतजार किया जा रहा है।

पुराना कोर्ट परिसर रोड पर कार्य का शुभारंभ

बहादुरगढ़ में 34 लाख रुपये से बनेंगे 5 कूड़ा कलेक्शन सेंटर

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

नगर परिषद द्वारा शहर में 5 कूड़ा कलेक्शन सेंटर बनाए जाएंगे। इन कलेक्शन सेंटरों से कूड़े का नियमित उठान कर उसे नया गांव स्थित डंपिंग स्टेशन तक पहुंचाया जाएगा। इन सभी कूड़ा कलेक्शन सेंटरों के निर्माण पर करीब 34 लाख रुपये की लागत आएगी। चेयरपर्सन सरोज राठी ने रविवार को वार्ड नंबर 22 के अंतर्गत पुराना कोर्ट परिसर रोड पर बनाए जाने वाले कूड़ा कलेक्शन सेंटर के कार्य का शुभारंभ नारियल फोड़कर किया।

उन्होंने बताया कि शहर में रोहतक रोड, पुराना कोर्ट परिसर, नंदीशाला रोड सहित कुल पांच स्थानों पर कूड़ा कलेक्शन सेंटर बनाए जाएंगे। ये सेंटर सांखोल गांव के पास रिलायंस कंपनी द्वारा बनाए गए कूड़ा कलेक्शन सेंटर की तर्ज पर विकसित किए जाएंगे ताकि कूड़ा व्यवस्थित ढंग से एकत्र हो और शहर में गंदगी न फैले। इस मौके पर पार्षद प्रवीन कुमार, राजेश तंवर, रमेश राठी, लक्ष्मी देवी, शिमटी, दीपक भारद्वाज, सरवन, कपिल, नवीन कुमार आदि उपस्थित रहे।

बहादुरगढ़। कूड़ा कलेक्शन सेंटर के निर्माण कार्य का शुभारंभ करतीं चेयरपर्सन।

मेट्रो स्टेशन के नीचे कैंटर की चपेट में आने से युवक घायल

बहादुरगढ़। रोहतक-दिल्ली मार्ग पर शहीद ब्रिगेडियर होशियार सिंह मेट्रो स्टेशन के नीचे कैंटर की चपेट में आने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे पीजीआई रोहतक भर्ती कराया गया है। पीड़ित ने पुलिस को शिकायत दे दी है। घायल की पहचान साहिल के रूप में हुई है। वह मांडोठी गांव का रहने वाला है। साहिल का कहना है कि गत 31 दिसंबर की शाम करीब साढ़े पांच बजे वह बहादुरगढ़ में ब्रिगेडियर होशियार सिंह मेट्रो स्टेशन के नीचे सड़क क्रॉस कर रहा था। इसी दौरान दिल्ली की तरफ से आए कैंटर चालक ने टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद मौके से फरार हो गया। मुझे काफी चोट आई और सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बाद परिजन पीजीआई रोहतक ले गए। उधर, सूचना पाकर सेक्टर 6 थाना पुलिस पीजीआई रोहतक पहुंची और घायल के बयान लिए। बयान के आधार पर कैंटर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दिनभर चली शीतलहर : हल्की धूप से भी नहीं मिली राहत

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

- अधिकतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया

ठंड अपने पूरे शबाब पर है। तापमान में दिन प्रतिदिन गिरावट हो रही है, जिसके कारण जनजीवन पूर्णतया प्रभावित हो रखा है। रविवार को घने कोहरे से आमजन को राहत जरूर मिली, मौसम भी साफ रहा और हल्की धूप भी निकली, लेकिन शीतलहर के कारण आमजन को ठंड से बिल्कुल भी राहत नहीं मिल पाई। दिनभर तेज हवाएं चलती रहीं, जिसके कारण अन्य दिनों की अपेक्षा तापमान में गिरावट दर्ज की गई। रविवार को अधिकतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। विशेषज्ञ आगामी दिनों में तापमान में और अधिक गिरावट दर्ज होने का अनुमान लगा रहे हैं। उधर, ठंड से बचने के लिए लोग अपने घरों में रहने को मजबूर हुए।

झज्जर। शहर के भट्ठी गेट क्षेत्र में अलाव जलाकर बैठीं महिलाएं।

खेल अमन को 51 लाख, दिनेश को 36 लाख व दीपक पूनिया को 12 लाख में साइन किया

पीडब्ल्यूएल की नीलामी में जिले के पहलवानों पर बरसे लाखों रुपये

छह साल के इंतजार के बाद एक बार फिर 15 जनवरी से प्रो रेसलिंग लीग की हो रही शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

छह साल के इंतजार के बाद एक बार फिर 15 जनवरी से प्रो रेसलिंग लीग यानी पीडब्ल्यूएल की शुरुआत हो रही है। इस लीग में झज्जर जिले के भी नामी व प्रतिभाशाली पहलवान भाग लेकर अपनी प्रतिभा की छाप छोड़ेंगे।

लीग के लिए शनिवार को हुई नीलामी में फ्रेंचाइजी मालिकों ने जिले के पहलवानों पर जमकर रुपया लुटाया। ओलंपिक मेडलिस्ट अर्जुन अवॉर्डी अमन सहरावत को टाइगर्स ऑफ मुंबई दंगल्स टीम ने 51 लाख रुपये की बोली लगाकर अपने खेमे में किया। अमन झज्जर जिले के बिरोहड़ गांव से हैं और ओलंपिक के साथ-साथ वर्ल्ड चैंपियनशिप, एशियन गेम्स, एशियन चैंपियनशिप आदि में देश के लिए मेडल जीत चुके हैं। वहीं, 86 केजी फ्री स्टाइल वर्ग के पहलवान ओलंपियन दीपक पूनिया को महाराष्ट्र केसरी ने 12 लाख रुपये में खरीदा है। दीपक पूनिया ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। छारा के दीपक कॉमनवेल्थ गेम्स, वर्ल्ड चैंपियनशिप, एशियन गेम्स, एशियन चैंपियनशिप में देश के लिए मेडल जीत चुके हैं। इन्हें अर्जुन अवॉर्ड भी मिल चुका है। उधर, देशभर में देशी दंगलों में ख्याति प्राप्त करने वाले दिनेश धनखड़ उर्फ गोलिया पहलवान पर भी नीलामी में बड़ा दांव लगा। पंजाब रॉयल्स की टीम ने सुपर हेवीवेट 125 केजी वर्ग के पहलवान दिनेश को 36 लाख रुपये में खरीदा है। दिनेश एशियन चैंपियनशिप में भी मेडल जीत चुके हैं।

अमन सहरावत

दीपक पूनिया

दिनेश धनखड़

- ओलंपिक के साथ-साथ वर्ल्ड चैंपियनशिप, एशियन गेम्स, एशियन चैंपियनशिप में देश के लिए मेडल जीत चुके अमन

बस की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

- घायल की पहचान रोहतक के खिड़वाली गांव निवासी हरकेश के रूप में हुई

किसान चौक पर प्राइवेट बस व बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार व्यक्ति को काफी चोट आई। घायल ने हादसे के लिए बस चालक को जिम्मेदार ठहराते हुए पुलिस को शिकायत दी है। पुलिस ने मामले में छानबीन शुरू कर दी है।

घायल की पहचान हरकेश के रूप में हुई है। हरकेश रोहतक के खिड़वाली गांव का रहने वाला है। उसका कहना है कि गत 24 दिसंबर को वह बाइक पर सवार होकर बहादुरगढ़ से रोहतक जा रहा था। जब किसान चौक पर पहुंचा तो एक प्राइवेट बस चालक ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। हादसे में मुझे काफी चोट आई। इलाज कराया और अपने स्तर पर बस चालक के बारे में जानकारी जुटाने का प्रयास किया। हरकेश की शिकायत पर पुलिस ने बस चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बस का नंबर पुलिस को मिल गया है।

जो शिक्षा प्रणाली लड़के- लड़कियों को सामाजिक बुराई या अन्याय के खिलाफ लड़ना नहीं सिखाती तो उस शिक्षा में जरूर कोई न कोई बुनियादी खराबी है।

- मुंशी प्रेमचंद

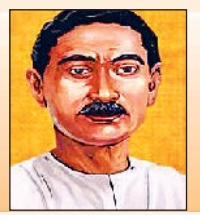

पहला घूँट भरते ही अद्विक बोला, 'भाइयों, एक पल के लिए कल्पना करो। अगर आज हम शादीशुदा होते, तो क्या यहाँ इस तरह बैठे होते? मुमकिन है कि अयांश घर पर बच्चों का डायपर बदल रहा होता, अमन पत्नी की शॉपिंग लिस्ट के साथ मॉल में धक्के खा रहा होता और मैं स्कूल की फीस जमा करने की लाइन में लगा होता। यह आजादी जो हमें मिली है, वह अनमोल है।' चारों ने एक साथ 'चीयर्स' कहा और माहौल और भी गहरा हो गया।

कहानी

डॉ. मधुकांत

कुंवारे नेता जिंदाबाद

दिसंबर की सर्द हवाएं जब देश के उत्तरी हिस्सों में ठिठुरन पैदा कर रही थीं, तब गोवा की सुनहरी रेत और लहरों का शोर चार दोस्तों के स्वागत के लिए तैयार था। अद्विक, अमन, विधान और अयांश—ये चार नाम नहीं, बल्कि एक अटूट दोस्ती की मिसाल थे। हर साल की तरह इस बार भी नए साल का जश्न मनाने के लिए उन्होंने गोवा के एक आलीशान पांच सितारा होटल को अपना ठिकाना बनाया। यह होटल उनकी सफलता और उनकी मेहनत की कमाई का गवाह था। होटल में दो 'कनेक्टिंग रूम' बुक किए गए थे। इन कमरों की खासियत यह थी कि इनके बीच का दरवाजा खोलते ही ये एक विशाल सुइट में तब्दील हो जाते थे। चारों दोस्तों ने कमरे में घुसते ही सबसे पहला काम उस दरवाजे को खोलने का किया। यह दरवाजा केवल लकड़ी का नहीं था, बल्कि उनके बीच के खुलेपन और पारदर्शिता का प्रतीक था।

30 से 32 वर्ष की उम्र के ये चारों युवा न केवल शारीरिक रूप से फिट थे, बल्कि अपने करियर में भी ऊंचाइयों को छू रहे थे। उनकी एक और समानता यह थी कि वे सभी अभी तक 'सिंगल' थे और अपनी इस आजादी का भरपूर आनंद ले रहे थे। अद्विक, अमन और विधान कमरे में पहुँच चुके थे और सामान व्यवस्थित कर रहे थे। अद्विक ने घड़ी की ओर देखते हुए कहा, 'अरे भाई, हम तीनों तो समय पर आ गए, लेकिन अयांश का अभी तक कोई अता-पता नहीं है। दिल्ली में बैठकर बड़ी-बड़ी हांक रहा था कि इस बार सबसे पहले पहुँचकर तुम लोगों का स्वागत करूँगा।'

अमन ने खिड़की से समुद्र की लहरों को निहारते हुए मुस्कुराकर कहा, 'अरे अद्विक, तू अयांश को नहीं जानता? वह वादाखिलाफी नहीं करता। वह असल में हम सबसे पहले पहुँचा है। रिसेप्शन पर पता चला कि वह सीधे बीच पर लहरों से टकराने चला गया है। शाम ढल रही है, अब उसके आने का ही वक्त है।'

अभी बात चल ही रही थी कि कमरे का दरवाजा धड़धड़ाते हुए खुला। कंधे पर गिटार टांगे और चेहरे पर सूरज की तपिश लिए अयांश ने प्रवेश किया।

'मैं आ गया दोस्तों! सुना है कोई मुझे याद कर रहा था?' अयांश की आवाज में वही पुरानी खनक थी। चारों दोस्त एक-दूसरे के गले मिले। खुशी का आलम यह था कि अयांश ने वहीं थिरकना शुरू कर दिया। उसकी यह पुरानी आदत थी- जब भी वह भावुक या खुश होता, उसके पैर अपने आप थिरकने लगते। देखते ही देखते बाकी तीनों भी उसके साथ नाचने लगे। होटल का वह कमरा उनकी हंसी और ठहाकों से गूंज उठा। कुछ देर की मस्ती के बाद अयांश ने अद्विक के कंधे पर हाथ रखा और कहा, 'अद्विक भाई, तू तो हमारा 'इवेंट मैनेजर' है। साल खत्म होने में कुछ ही घंटे बचे हैं और अभी तक ग्लास खाली हैं? तैयारी कहाँ तक पहुँची?'

अद्विक ने रहस्यमयी मुस्कान के साथ बगल वाले कमरे की ओर इशारा किया, 'सब इंतजाम पक्का है मेरे दोस्त। उस कमरे में चल, वहाँ जन्नत सजी है।' चारों दोस्त बगल वाले कमरे में पहुँचे, जहाँ एक गोल मेज पर दुनिया भर की बेहतरीन ड्रिंक्स, स्नैक्स और डिनर का प्रबंध था। अद्विक ने बड़ी कुशलता से पैग बनाने शुरू किए। पहला घूँट भरते ही अद्विक बोला, 'भाइयों, एक पल के लिए कल्पना करो। अगर आज हम शादीशुदा होते, तो क्या यहाँ इस तरह बैठे होते? मुमकिन है कि अयांश घर पर बच्चों का डायपर बदल रहा होता, अमन पत्नी की शॉपिंग लिस्ट के साथ मॉल में धक्के खा रहा होता और मैं स्कूल की फीस जमा करने की लाइन में लगा होता। यह आजादी जो हमें मिली है, वह अनमोल है।' चारों ने एक साथ 'चीयर्स' कहा और माहौल और भी गहरा हो गया। अयांश की 'शहीद' होने वाली कहानी बातों का सिलसिला निकला तो अमन ने अयांश की ओर देखते हुए पूछा, 'अरे अयांश, पिछले हफ्ते तू फोन पर बहुत परेशान था। कह रहा था कि घर में 'इमरजेंसी' है। फिर तूने बताया नहीं कि उस शादी वाले मामले का क्या हुआ?'

अयांश ने एक लंबी और राहत भरी सांस ली। 'भाई, मैं तो मौत के मुँह से वापस आया हूँ। तुम्हें तो पता है मेरे पापा मिलिट्री से रिटायर हुए हैं। उनके लिए अनुशासन और आदेश ही सब कुछ है। पिछले दो साल से उन्होंने मेरी शादी को अपना एकमात्र मिशन बना लिया था। इस बार मम्मी ने फोन किया कि उनकी तबीयत बहुत खराब है, मुझे तुरंत घर आना होगा। मैं घबराकर दिल्ली से गाँव पहुँचा, तो देखा मम्मी बिल्कुल भली-चंगी रसोई में पकौड़े तल रही हैं।' अयांश ने आगे बताया, 'तभी घर की घंटी बजी और पापा के जिगरी दोस्त अपनी बेटी के साथ प्रकट हुए। सब कुछ पहले से फिक्स था। मुझे और उस लड़की को बात करने के लिए ऊपर के कमरे में भेज दिया गया। मैं पसीने-पसीने हो रहा था कि अब मना कैसे करूँ? तभी उस लड़की ने ही मोर्चा संभाल लिया। उसने कमरे में घुसते ही कहा- 'देखिए, मेरा एक बॉयफ्रेंड है और मैं उसी से शादी करूँगी। मेरे पापा जबरदस्ती यहाँ लाए हैं। आप मना कर दीजिए।' मुझे लगा जैसे भगवान खुद मदद करने आए हैं। मैंने भी उससे कह दिया कि मैं भी शादी नहीं करना चाहता, पर मेरे पापा 'हिटलर' हैं। अगर मैं सादगी से मना करूँगा, तो वह मेरी खाल खींच लेंगे।'

फिर हमने एक योजना बनाई। अयांश खिलखिलाकर बोला। 'जैसे ही मम्मी चाय लेकर कमरे में आईं, हमने जानबूझकर चिल्लाना शुरू कर दिया। मैंने कहा—'मम्मी, यह लड़की तो बहुत बदतमीज है, इसे बड़ों से बात करने की तमीज नहीं है।' लड़की भी मंझी हुई कलाकार निकली, उसने तुरंत चिल्लाकर कहा कि मैंने उसकी माँ के बारे में अपशब्द कहे हैं। नीचे हॉल में ऐसा हंगामा हुआ कि रिश्ता जुड़ने से पहले ही जलकर राख हो गया। वे लोग बिना चाय पिए भाग गए और मैं अपनी आजादी लेकर वापस आ गया।' अयांश का तर्क स्पष्ट था- 'अभी मेरा करियर है। 32 साल की उम्र में मैं प्राइवेट सेक्टर में 12-12 घंटे काम करता हूँ, तब जाकर प्रमोशन मिलता है। शादी के बाद मैं न ऑफिस को समय दे पाऊँगा और न ही खुद को। इसलिए, 'नो शादी, नो बच्चे'।

"और शादी का सुख ?" अद्विक ने नया प्रसंग छेड़ दिया। "शादी का सुख लेने की बात आपने खूब कहीं। किसी भी लाइक माइंडेड लड़की के साथ दोस्ती करो। जब तक विचार मिले उनके साथ रिलेशन में रहो। मन उब जाए, तब साथ छोड़कर अलग-अलग हो जाओ। खाओ पियो मौज उड़ाओ, न किसी को अपनाने का झंझट, न तलाक देने की परेशानी..।" विधान, जो अब तक शांत बैठा था, बोला, 'अयांश, तूने तो ड्रामा करके खुद को बचा लिया, लेकिन मेरे पड़ोस में रामू आंटी के बेटे का हाल देखो तो रूह कांप जाती है। उसने दहेज और रसूख के लालच में एक बहुत अमीर लड़की से शादी की। आज स्थिति यह है कि उस लड़की ने अपनी अकड़ में बेचारी रामू आंटी को ओल्ड एज होम भेज दिया है। वह लड़का अपने ही घर में एक नौकर की तरह रहता है। उसकी कोई अपनी इच्छा नहीं बची। जब मैं उसे देखता हूँ, तो मुझे लगता है कि अकेले रहकर चैन की नींद सोना किसी भी आलीशान महल की गुलामी से बेहतर है।'

अंत में सबकी निगाहें चौथे दोस्त पर टिकीं। वह शांत, गंभीर और हमेशा खादी के कुर्ते में रहने वाला व्यक्ति था, जिसे सब प्यार से 'नेताजी' बुलाते थे। अद्विक ने पूछा, 'नेताजी, आप तो समाजसेवा की बातें करते हैं। आप क्यों इस गृहस्थी के झमेले से दूर रहना चाहते हैं?' नेताजी ने अपने चश्मे को ठीक किया और बहुत गंभीरता से कहा, 'दोस्तों, मेरा लक्ष्य केवल व्यक्तिगत सुख नहीं, बल्कि समाज की सेवा है। राजनीति की बिसात पर कुंवारा होना एक बहुत बड़ी ताकत है। इसके पीछे मेरे अपने ठोस तर्क हैं।' उन्होंने उंगलियों पर गिनवाते हुए कहा 1. समय की प्रचुरताः एक शादीशुदा नेता हमेशा घर और जनता के बीच बंटा रहता है। मुझे न घर की चिंता करनी है, न बच्चों के स्कूल की। मेरा 24 घंटा जनता का है।

2. ईमानदारी की छविः जनता उस नेता पर ज्यादा भरोसा करती है जिसके आगे-पीछे कोई न हो। लोग सोचते हैं कि यह किसके लिए भ्रष्टाचार करेगा? इसका तो कोई वारिस ही नहीं है।

3. विरासत का मोह नहींः हमने देखा है कि बड़े-बड़े नेताओं के बिगड़ैल बेटे ही अपने पिता की मेहनत पर पानी फेर देते हैं। परिवारवाद की जड़ ही परिवार है। जब परिवार ही नहीं होगा, तो मोह कहाँ से आएगा? भारत के इतिहास में भी देखो, कई बड़े मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री कुंवारे रहे हैं और उनकी छवि बेदाग रही है। नेताजी की बातों में एक अलग ही गहराई थी। उन्होंने निष्कर्ष निकालते हुए कहा, 'मैंने तय किया है कि मेरा जीवन किसी एक स्त्री या बच्चे के लिए नहीं, बल्कि समाज के हर उस बच्चे के लिए होगा जिसे मेरी जरूरत है। इसलिए-नो शादी, नो बच्चे, बस सेवा!

रात के 12 बजने वाले थे। खिड़की के बाहर गोवा के आसमान में आतिशबाजी शुरू हो चुकी थी। चारों दोस्तों ने एक बार फिर अपने गिलास उठाए। उनकी आँखों में भविष्य के प्रति कोई डर नहीं था, बल्कि अपनी चुनी हुई राह पर चलने का एक गर्व था। उन्होंने जोर से नारा लगाया- 'कुंवारे नेता जिंदाबाद! आजादी जिंदाबाद!' होटल के उस कमरे में चार अलग-अलग कहानियाँ थीं, लेकिन सबका सार एक ही था, अपनी शर्तों पर जीवन जीना। संगीत तेज हुआ, आतिशबाज़ी से आसमान रंगीन हो गया और इसी के साथ नए साल का आगाज हुआ। वे चारों दोस्त, जो समाज की नजर में शायद 'अधूरे' थे, अपनी नजरों में पूरी तरह 'मुकम्मल' महसूस कर रहे थे।

रात के 12 बजने वाले थे। खिड़की के बाहर गोवा के आसमान में आतिशबाजी शुरू हो चुकी थी। चारों दोस्तों ने एक बार फिर अपने गिलास उठाए। उनकी आँखों में भविष्य के प्रति कोई डर नहीं था, बल्कि अपनी चुनी हुई राह पर चलने का एक गर्व था। उन्होंने जोर से नारा लगाया- 'कुंवारे नेता जिंदाबाद! आजादी जिंदाबाद!' होटल के उस कमरे में चार अलग-अलग कहानियाँ थीं, लेकिन सबका सार एक ही था, अपनी शर्तों पर जीवन जीना।

कविता

सुधीर ढांडा कौल

डंडे की मार

जानवरों से मुझे लगाव बहुत है,
उन्हें पालने का चाव बहुत है।

एक साथ बिल्ली बंदर कुत्ते को पाला,
सफ़ेद कुत्ता, भूरा बंदर, बिल्ली
का रंग था काला।

थी तीनों की गजब की यारी,
बिल्ली कुत्ते खेलते,बंदर करता सवारी।

एक ही कटोरे में तीनों खाते थे,
एक दूसरे से लिपटकर सोते थे।

बंदर को मै गाड़ी पर ले जाता था,
कुत्ता बिल्ली के पास घर पर रहता था।

अपने हाथों से खाना उन्हें खिलाता था,
दूध कटोरे में खूब उन्हें पिलाता था।

एक दिन मेरी माँ ने गुस्से में
बिल्ली को डंडा मार दिया

और उस प्यारे कुत्ते को भी घर
से बाहर निकाल दिया।

डंडे से बिल्ली की टाँग टूट गई,
बिल्ली का दर्द देख माँ रूठ गई।

मां ने मरहम बनाई और बिल्ली
की टाँग पर लगाई,

बहुत दिनों बाद बिल्ली बेचारी
थोड़ा थोड़ा चल पाई।

बिल्ली घर से दौड़ गई,
कुत्ते की हो मौत गई,

बंदर को मैंने छोड़ दिया,
जानवरों से नाता तोड़ दिया।

सुधीर टूट गई तीनों की यारी, ये
थी बातें बचपन की सारी।

इसमें कुछ भी झूठ नहीं है,मेरे
पास फोटो जैसा सबूत नहीं है।

कविता | मनोज वशिष्ठ

विश्व वीर विवेकानंद

उठा शिखर से घोष एक, जो सागर पार सुनाया था,
सोए भारत की अंतस को, जिसने आन जगाया था।
गेरुआ वसन, ललाट पे तेज, आँखों में करुणा की धार,
वह संन्यासी नहीं मात्र, था भारत का ही अवतार।

शिकागो की उस सभा बीच, जब गूँजा 'भ्राता-भगिनी' स्वर,
स्तब्ध रह गया विश्व सकल, झुक गया गर्व से मस्तक पर।
वेदांत की पावन वाणी से, जग का संशय दूर किया,
पश्चिम की भौतिक चकाचौंध में, अध्यात्म का नूर दिया।

कहा उन्होंने— उठो! जागो! मत रुको राह के रोड़ों से,
मंजिल तुमको ही चुननी है, संघर्षों के इन घोड़ों से।
शक्ति ही जीवन का सच है, कमजोरी बस एक मृत्यु है,
वीर वही जो अडिग खड़ा, चाहे सम्मुख काल-नृत्य है।

₹मनुष्य-निर्माण₹ ही लक्ष्य रहे, वह शिक्षा असली कहलाती,
जो दीन-दुखी के आँसू पोंछे, वह भक्ति सच्ची कहलाती।
लोहे की हों मांसपेशियाँ, फौलादी जिनका सीना हो,
विवेकानंद के सपनों का, भारत ऐसा नगीना हो।

रेवाड़ी की पावन माटी से, हम यह संकल्प दोहराते हैं,
'विज़न 2026' के पथ पर, हम बढ़ते ही जाते हैं।
हाथों में विज्ञान रहे, और मन में संचित संस्कार रहें,
हम विवेकानंद के अनुयायी, राष्ट्र-प्रेम के आधार रहें।

लघुकथा | डॉ. तबस्सुम जहां

आत्मा का अंश

शिष्यः गुरुजी, आत्मा क्या है?गुरुजीः वत्स, आत्मा एक ऊर्जा है, जो चिरकाल से ब्रह्मांड में विचरण करती है — जैसे असंख्य तारे, ग्रह और धूमकेतु।

शिष्यः और गुरुजी, आत्मिक जुड़ाव क्या होता है?

गुरुजीः जब हमारी आत्मा का कोई अंश एक जन्म से दूसरे जन्म तक किसी को पाने को व्याकुल हो उठता है, जब किसी अनजाने से बिना मिले ही गहरा जुड़ाव महसूस होता है — तब समझना चाहिए कि आत्मा का वह अंश अपने दूसरे हिस्से से मिलने को आतुर है। वह मिलकर पूर्णता की ओर बढ़ना चाहता है।

शिष्यः परंतु गुरुदेव, आत्मा के वे दो हिस्से, दो व्यक्ति, कैसे मिलेंगे?

गुरुजीः वत्स, नियति चाहे जितनी राहें मोड़े, आत्माएँ अपने हिस्सों को ढूंढ ही लेती हैं। जो होना है, वह होकर ही रहता है।

शिष्यः क्या यह ज़रूरी है कि दोनों में प्रेम भी हो? जबकि मिलन से पहले उनके जीवन के मार्ग अलग-अलग हो चुके हैं?

गुरुजीः यही तो नियति की लीला है वत्स। आत्मा जिसे चुनती है, उससे वह प्रेम मांगती नहीं , बस देती है। यह प्रेम देह या मन का नहीं होता, यह निस्वार्थ होता है। आत्मा न किसी शर्त को जानती है, न किसी बंधन को मानती है।

शिष्यः और यदि दूसरा व्यक्ति उस प्रेम को न समझे?

गुरुजीः समझेगा वत्स... समय आने पर अवश्य समझेगा। प्रारंभ में वह भ्रमित रहेगा, दूर भागेगा, कड़वे वचन कहेगा, तिरस्कार करेगा। किंतु जब सब शांत होगा, वह अपने भीतर झांकेगा — तब उसे यह ज्ञात होगा कि जिस प्रेम को वह ठुकरा रहा था, वह कोई साधारण आकर्षण नहीं था... वह उसकी ही आत्मा का एक विलग अंश था।

शिष्यः तब क्या होगा गुरुदेव?

गुरुजी (मुस्कुराते हुए): तब... वह मौन में प्रार्थना करेगा कि वह प्रेम फिर लौट आए। पर तब तक वह प्रेम किसी दूसरी ऊँचाई पर पहुँच चुका होगा। जहाँ से लौटना संभव नहीं होगा। क्योंकि आत्मा का वह अंश अपना कर्तव्य पूरा कर चुका होगा — निःस्वार्थ प्रेम देकर... किसी अपेक्षा के बिना।

'हरियाणवी साहित्य' केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि यहां के जनजीवन, इतिहास और दर्शन का दर्पण है। विडंबना यह है कि इतना समृद्ध होने के बावजूद हरियाणवी साहित्य को वह अकादमिक सम्मान और पहचान नहीं मिल पाई है, जिसका वह हकदार है। हरियाणवी साहित्य की जड़ें बहुत गहरी हैं, लेकिन आज भी इसे हिंदी की एक 'बोली' मात्र मानकर हाशिए पर रख दिया जाता है।

मंथन | **डॉ. चंद्र त्रिखा**

हरियाणवी साहित्य में शोध की नितांत आवश्यकता

हरियाणवी साहित्य' हरियाणा की उज्ज्वल सांस्कृतिक एवं बौद्धिक परंपरा की नींव है। सरस्वती से पोषित हरियाणा की धरती साहित्यिक दृष्टि से बहुत उपजाऊ रही है। इसे वेद, पुराण, गीता, महाभारत आदि पवित्र ग्रंथों की रचना-स्थली होने का गौरव प्राप्त है।

आधुनिक साहित्यिक परंपरा का आरंभ हर्षवर्धनकाल से माना जाता है।

इस काल में अनेक ब्राह्मण ग्रंथ एवं वेदों के स्पष्टीकरण हेतु धर्मसूत्र, उपनिषद्, मनुस्मृति, महाभारत आदि की रचना की गई। इसके अतिरिक्त अनेक काव्य धाराएं यथा जैन काव्यधारा, संत काव्यधारा, सूफी काव्यधारा, वैष्णव भक्ति काव्यधारा आदि प्रवाहित हुई। विशाल 'हरियाणवी साहित्य' में जो साहित्य 'हरियाणवी' में लिखा गया, उसने हरियाणा को विशेष पहचान दी है।

'हरियाणवी साहित्य' केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि यहाँ के जनजीवन, इतिहास और दर्शन का दर्पण है। विडंबना यह है कि इतना समृद्ध होने के बावजूद, हरियाणवी साहित्य को वह अकादमिक सम्मान और पहचान नहीं मिल पाई है, जिसका वह हकदार है। हरियाणवी साहित्य की जड़ें बहुत गहरी हैं। नाथ-सिद्ध परंपरा से लेकर सूफी संतों की वाणियों तक और पंडित लखमीचंद के सांगों से लेकर आधुनिक कविता तक, इसका विस्तार बहुत बड़ा है, लेकिन आज भी इसे हिंदी की एक 'बोली' मात्र मानकर हाशिए पर रख दिया जाता है। विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में हरियाणवी साहित्य का हिस्सा न के बराबर है। जो थोड़ा बहुत साहित्य उपलब्ध है, वह या तो मौखिक परंपरा में है या फिर पुरानी, जीर्ण-शीर्ण पांडुलिपियों में बंद है।

'श्रुति परंपरा' पर आधारित है साहित्य का बड़ा हिस्सा

हरियाणवी साहित्य का एक बहुत बड़ा हिस्सा 'श्रुति परंपरा' पर आधारित है। हमारे बुजुर्गों के पास लोकगीतों, किस्सों, मुहावरों और कहानियों का खजाना है। जैसे-जैसे पुरानी पीढ़ी जा रही है, यह खजाना भी लुप्त होता जा रहा है। शोध के माध्यम से इन मौखिक रचनाओं को लिपिबद्ध करना अत्यंत आवश्यक है, अन्यथा आने वाली पीढ़ियों के लिए यह इतिहास हमेशा के लिए मिट जाएगा। हम पं. लखमीचंद, बाजे भगत या पं. मांगेराम जैसे बड़े रचनाकारों को तो जानते हैं, लेकिन हरियाणा के गांवों में ऐसे सैकड़ों कवि और रचनाकार हुए हैं जिनकी

रचनाएं अद्भुत हैं, लेकिन उन्हें कोई नहीं जानता। इसलिए अब आवश्यक है कि गांवों की खाक छानकर ऐसे गुमनाम रचनाकारों को खोजा जाए और उन्हें साहित्य के पटल पर स्थापित किया जाए।

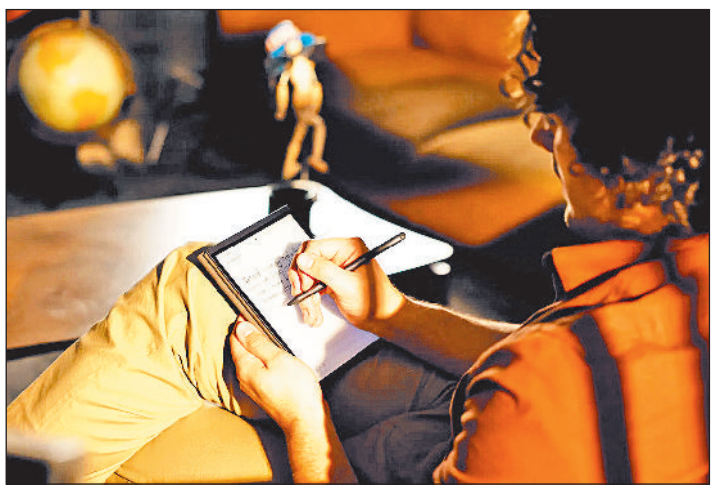

अतीत में इस दिशा में दिवंगत देवी शंकर प्रभाकर, शसाधुराम शारदा, प्रोफेसर लालचंद गुप्त मंगल रघुवीर मथाना, प्रोफेसर बाबूराम, डॉ. रामफल चहल, डॉ. राजेंद्र वत्स द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में हरियाणवी साहित्य के विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया गया है। हरियाणवी भाषा एवं लिपि के क्षेत्र में डॉक्टर जगदेव सिंह द्वारा ठोस कार्य किया गया है। आवश्यकता है इस लग्न एवं प्रतिबद्धता के साथ इस कार्य को आगे बढ़ाया जाए।

ठोस कदम उठाने होंगे

शोध की दिशा में सकारात्मक बदलाव के लिए कुछ ठोस कदम उठाने होंगे। पुरानी पांडुलिपियों और ऑडियो रिकॉर्डिंग्स को डिजिटल रूप में संरक्षित किया जाना चाहिए। एम.ए. और पीएच.डी. करने वाले छात्रों को हरियाणवी साहित्य पर शोध करने के लिए विशेष छात्रवृत्ति दी जानी चाहिए। ऐसे प्रोजेक्ट्स शुरू करने चाहिए जिनमें शोधकर्ता गांवों में जाकर लोक साहित्य इकट्ठा करें। यह केवल भाषा का सवाल नहीं है, बल्कि यह हरियाणवी अस्मिता और संस्कृति को बचाने का सवाल है। जब हम अपनी भाषा और साहित्य पर शोध करेंगे, तभी हम दुनिया को बता पाएंगे कि हरियाणवी केवल 'लठ्ठमार' बोली नहीं है, बल्कि इसमें जीवन का गहरा दर्शन, प्रेम और करुणा भी समाहित है।

हरियाणवी भाषा बांगरू, देशवाली, अहीरवाटी, कौरवी आदि के नाम से हर 20-30 किलोमीटर पर बदल जाती है। शोध की कमी के कारण इसका कोई एक मानक सर्वमान्य रूप विकसित नहीं हो पाया है। जब तक भाषा के व्याकरण और शब्दकोश पर गहरा शोध नहीं होगा, तब तक इसे शिक्षा के माध्यम के रूप में या संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल करने का दावा मजबूत नहीं हो पाएगा। हरियाणवी सांगों और रागनियों में उस समय की सामाजिक कुरीतियों, अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष, अकाल और खेती-किसानी के संघर्ष का वर्णन मिलता है।

शोध द्वारा हमें हरियाणा का एक ऐसा सामाजिक इतिहास मिलेगा जो किसी इतिहास की किताब में नहीं है। हरियाणवी अब केवल रागनियों तक सीमित नहीं है। आज अनेक कवि हरियाणवी में गजलें, दोहे, मुक्तक, नाटक और उपन्यास लिख रहे हैं।

अध्यात्म एवं यथार्थ का संगम है 'जब तक तुम ना आओगे'

पुस्तकः जब तक तुम ना आओगे
लेखिकाः सविता गर्ग
मूल्यः 210 रुपये
प्रकाशकः अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली

पुस्तक समीक्षा | **डॉ. विजेंद्र कुमार**

कवयित्री सविता गर्ग से मेरा परिचय काफी पुराना है। उसने अपनी पहली काव्य कृति 'मैं मीरा सी' मुझे भेंट की थी। जब तक तुम ना आओगे उनका चौथा काव्य संग्रह है। इस काव्य संग्रह में उनकी 97 कविताएं संकलित हैं। इन कविताओं में कवयित्री का मन प्रेम, भक्ति, देश प्रेम ,अध्यात्म, विरह तथा समकालीन यथार्थ के विभिन्न आयामों की यात्रा करता प्रतीत होता है। यह सभी कविताएं उनकी रचनाशीलता के बहुआयामी व व्यापक दृष्टिकोण को रेखांकित करती हैं। श्री कृष्ण को समर्पित कुछ कविताएं उनकी आध्यात्मिक चेतना के उज्ज्वल स्वरूप को आलोकित करती हैं। कवयित्री ने यह संग्रह भगवान श्री कृष्ण को ही समर्पित किया है। सविता अपनी अनुभूति को व्यक्तिगत परिधि से निकालकर सार्वभौमिक करने में सफल रही हैं। नारी पीड़ा की वेदना उनकी इन कविताओं में दृष्टव्य है - सिया सती राधा रुक्मण सारे रूपों से गुजरी हूं मोहन की जोगन बन घूमी में मीरा वही दीवानी हूं। इसी प्रकार मैं सदियों पुरानी हो गई हूं कविता में वह कहती हैं : परियों की कहानी हो गई हूं, शिलाओं पर लिखी निशानी हो गई हूं। 'जीवन उत्सव है' कविता का संदेश अनुकरणीय है, मानवता हो धर्म सभी का, सब उस रब के बंदे नेक भाव हो नेक हो नीयत नेक हो सब धंधे निर्बल का बल बन जाए जीवन उत्सव है। शहीदों को समर्पित कविता में वह कहती हैं -भारत मां के वीर सिपाही हंस फांसी पर झूल गए, हाय दुर्भाग्य हमारा, हम उनको ही भूल गए। देश की सीमाओं पर बलिदान शहीद के लिए लिखा उनका एक गीत बहुत मार्मिक बन पड़ा है। इस गीत से उन्हें मंचों पर विशेष ख्याति भी मिली है : प्राण तन में नहीं आंखें पथराई हैं उसके बिना घर की खुशियां मुरझाई हैं, रोता रहता है उसका पिता डाकिए उसकी आई क्या चिट्ठी बता डाकिए। नए साल की शुभकामनाएं देती कवयित्री कहती है- मानव धर्म सभी अपनाए जात-पात आड़े ना आए दिल में ज्ञान की जोत जलाएं दुख के बादल सब छट जाएं नए साल की भोर में। सविता गर्ग के मधुर कंठी गीतों की महक अनेक काव्य मंचों की शोभा बनती है। उनकी रचना धर्मिता में अपार संभावनाएं भी हैं। आलोच्य काव्य संग्रह का प्रकाशन एवं प्रस्तुतिकरण दोनों ही उत्कृष्ट कोटि के हैं।

जटेला धाम माजरा दूबलधन में 125 छात्राओं ने लिया परीक्षा में भाग

प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में प्रीति रही अव्वल

झिंझर की प्रीति व गांव दूबलधन की प्रिया और सुरेखा ने भी स्पर्धा में बाजी मारी

प्रतियोगी परीक्षाओं से आता है प्रतिभाओं में निखार: महंत राजेंद्र दास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

तपोभूमि जटेला धाम माजरा दूबलधन में स्वामी नितानन्द दयाल महाराज की प्रेरणा से प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन किया गया, जिसमें 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग की कुल 125 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगी परीक्षा में गणित, रीजनिंग, सामान्य ज्ञान, अंग्रेजी एवं कंप्यूटर जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल रहे। परीक्षा का उद्देश्य छात्राओं को शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ाना तथा प्रतिस्पर्धात्मक भावना विकसित करना रहा। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रीति निवासी गांव माजरा दूबलधन ने प्रथम, द्वितीय स्थान पर प्रीति निवासी गांव झिंझर तथा तृतीय स्थान पर गांव दूबलधन की दो छात्राएं प्रिया एवं सुरेखा रही। विजेता प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। जबकि सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहन स्वरूप रजिस्टर प्रदान किए गए, जिससे उन्हें आगे की पढ़ाई के लिए प्रेरणा मिल सके। महंत राजेंद्र दास महाराज ने कहा कि किसी को भी इस बात से निराश नहीं होना चाहिए कि वह पीछे रहा या अंतिम स्थान पर आया। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि सभी लोग एक ही पंक्ति में खड़े हों और कमांडर पीछे मुड़ने का आदेश दे दे, तो जो सबसे पीछे खड़ा होता है वही सबसे आगे आ जाता है। इसी प्रकार निरंतर अभ्यास और सही दिशा में की गई मेहनत से अगली परीक्षा में सफलता निश्चित है। उन्होंने सभी छात्राओं को आत्मविश्वास बनाए रखने, निरंतर परिश्रम करने और भविष्य की परीक्षाओं के लिए पूरे मनोयोग से तैयारी करने का आशीर्वाद दिया।

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित होनहार प्रतिभागियों के साथ महंत राजेंद्र दास महाराज एवं अन्य।

शिक्षा के साथ-साथ संस्कार और अनुशासन पर दे रहे ध्यानः कोडान

- एम आर स्कूल हसनपुर में अध्यापक अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

एम आर स्कूल हसनपुर में अध्यापक अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में लगभग सभी अभिभावकों की सक्रिय सहभागिता रही। जिससे विद्यालय एवं अभिभावकों के बीच मजबूत समन्वय देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरुआत कक्षा पर्यवेक्षकों द्वारा विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम प्रस्तुत करने से हुई। विद्यालय निदेशक सोमबीर कोडान ने अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यालय शिक्षा के साथ-साथ संस्कार, अनुशासन एवं जीवन कौशल के विकास पर विशेष ध्यान दे रहा है।

उन्होंने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अभिभावकों से निरंतर सहयोग की अपील की। विद्यालय निदेशिका संगीता कोडान ने बेहतर परिणाम प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी तथा सभी विद्यार्थियों को भविष्य में और अधिक परिश्रम करने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि विद्यालय छात्रों के शैक्षणिक, नैतिक एवं सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। वहीं उप निदेशक सुभाष चंद्र यादव ने शिक्षण प्रक्रिया को और बेहतर बनाने के लिए अभिभावकों से रचनात्मक सुझाव भी आमंत्रित किए।

प्राचार्य नेहा शर्मा ने कहा कि पीटीएम अभिभावकों और शिक्षकों के बीच सेतु का कार्य करती है, जिससे विद्यार्थियों की क्षमताओं एवं कमजोरियों को समझकर उन्हें उचित मार्गदर्शन प्रदान किया जा सकता है।

झज्जर। प्रगति रिपोर्ट लेने के उपरांत उपस्थित विद्यार्थी, अभिभावक व शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित स्वयंसेवक, मुख्यातिथि और स्टॉफ सदस्य। फोटो : हरिभूमि

विंशु और हितेश को चुना सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक

- रावमा विद्यालय जहाजगढ़ में सात दिवसीय एनएसएस शिविर संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जहाजगढ़ में सात दिवसीय एनएसएस शिविर रविवार को संपन्न हो गया। स्वयंसेवकों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। स्वयंसेवकों ने श्रमदान किया और विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में भी बढ़ चढ़ कर भाग लिया। समापन कार्यक्रम में सरपंच प्रतिनिधि उदय सिंह ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। उन्होंने स्वयंसेवकों को जीवन पथ पर आगे बढ़ने के लिए पढ़ाई के साथ साथ, चरित्र उत्थान, खेलकूद व अन्य क्षेत्रों में भी अग्रसर होने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवकों के कर्तव्यों की विस्तार से विवेचना की व बच्चों को कैरियर उत्थान के लिए बहुमुखी प्रतिभा के उन्नयन पर बल दिया। एनएसएस प्रभारी मंदीप ने सात दिवसीय कैंप पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि लड़कियों के वर्ग में विंशु और लड़कों के वर्ग में हितेश को सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक चुना गया।

जन्म से नहीं कर्म से महान बनता है व्यक्ति : आचार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

आर्य समाज का स्पष्ट संदेश है कि व्यक्ति अपने कर्मों से ही महान बनता है, जन्म से नहीं। यदि आप अपने जीवन को सार्थक बनाना चाहते हैं तो वेदों की शिक्षा के अनुसार निष्काम भाव से निरंतर शुभ कर्म करते रहें। यह बात प्राचीन गुरुकुल महाविद्यालय के अधिष्ठाता आचार्य विजयपाल ने रविवार को आर्य समाज के मासिक वैदिक यज्ञ एवं सत्संग कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता कही। मासिक कार्यक्रम का आगाज वैदिक यज्ञ से हुआ जिसमें ब्रह्मचारी इंद्रजीत ने बतौर यज्ञ ब्रह्मा वैदिक मंत्रोच्चारण कर यज्ञ सम्पन्न करवाया। आचार्य विजयपाल ने कहा कि आर्य समाज के अनुसार, केवल व्यक्तिगत उन्नति ही काफी नहीं है, बल्कि संसार का उपकार करना अर्थात शारीरिक, आत्मिक और सामाजिक उन्नति करना सबसे बड़ा कर्म है। ईश्वर को कर्मफल दाता माना गया है। वह किसी के साथ पक्षपात नहीं करता और व्यक्ति को उसके प्रत्येक कर्म का सटीक फल देता है।

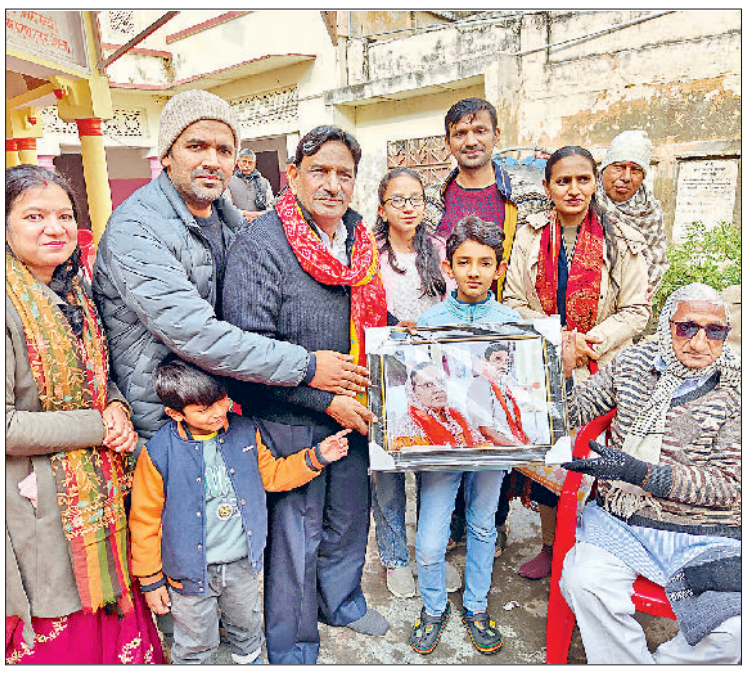

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान महामंत्री लाला प्रकाशवीर आर्य को सम्मानित करते हुए पदाधिकारी।

- आर्य समाज के मासिक वैदिक यज्ञ एवं सत्संग कार्यक्रम का आयोजन

मधुर भजनों से दिया संदेश

उन्होंने कहा कि संसार का उपकार करना इस समाज का मुख्य उद्देश्य है अर्थात शारीरिक, आत्मिक और सामाजिक उन्नति करना। सबसे प्रीतिपूर्वक धर्मानुसार यथा योग्य वर्तना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान आचार्य शक्तकृतु, अरविंद गार्गी, नंदिनी आर्य व एडवोकेट रामकुमार ने मधुर भजनों की प्रस्तुति भी दी। इस मौके पर आर्य सतपाल देसवाल, आर्य समाज के प्रधान राजीव राठी, पूर्व प्रधान जेपी राठी, आजाद सिंह दुहन, जेके सरदाना, रमेश सैनी, वरुण गुप्ता, अरुण गुप्ता, संजय अग्रवाल, अमित नागपाल, डॉ. गौतम प्रकाश आर्य व दीपक सैनी सहित काफी संख्या में आर्यजन उपस्थित रहे।

मोबाइल व बाइक से बच्चों को रखें दूर : गुलिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

एच डी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय साल्हावास में अभिभावक अध्यापक मिलन समारोह आयोजित किया गया। जिसमें अभिभावकों ने दसवीं और बारहवीं कक्षाओं की प्री-बोर्ड परीक्षा के बारे में अध्यापकों से संवाद किया। हाल ही में संपन्न हुई प्री-बोर्ड परीक्षा के परिणामों को देखकर अभिभावक संतुष्ट नजर आए और बेहतरीन प्रदर्शन के लिए अभिभावक व अध्यापक ने खुलकर चर्चा की। इस अवसर पर एच डी ग्रुप डायरेक्टर रमेश गुलिया ने अभिभावकों की मीटिंग लेते हुए कहा कि आधुनिक दौर में बच्चों के साथ ज्यादा से ज्यादा समय व्यतीत करने की आवश्यकता है। आप अपने कीमती समय में से बच्चों को समय अवश्य दें। मोबाइल और मोटरसाइकिल इन दोनों से उन्हें दूर रखें, उनकी भावनाओं को समझें तथा उनसे मित्रता का व्यवहार करें। समय-समय पर विद्यालय आकर उनकी शैक्षणिक रिपोर्ट लेते रहें। उन्होंने विद्यालय की उपलब्धियों से भी अभिभावकों को अवगत कराया । इसके साथ-साथ अभिभावक और शिक्षकों के बीच सहयोग के महत्व पर भी अपने मनोभावों को व्यक्त करते हुए बताया कि बच्चों के चहुंमुखी विकास के लिए हम सभी को टीम वर्क की तरह काम करना होगा ताकि बच्चों को बेहतर कल दे सकें। हमारा उद्देश्य एक ऐसा वातावरण मुहैया कराना है, जहां बच्चे रचनात्मक, साहसी और समस्या का समाधान करने वाले बनें।

झज्जर। अपने बच्चों की प्रगति रिपोर्ट लेते हुए अभिभावक।

पीटीएम में अभिभावकों ने ली बच्चों की प्रगति रिपोर्ट

झज्जर। मदर इंडिया वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मारौत में अध्यापक-अभिभावक मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें अभिभावकों ने बड़ी रूचि दिखाई। इस दौरान अभिभावकों ने अपने बच्चों की दिसंबर परीक्षा और प्री-बोर्ड परीक्षा परिणाम की जानकारी प्राप्त की। मदर इंडिया शिक्षा सुधार समिति निदेशक रामफूल शास्त्री, प्राचार्या संतोष कुमारी व प्रबंधन समिति सदस्यों ने अभिभावकों से उनकी शिकायतों व सुझावों की जानकारी ली।

झज्जर। पीटीएम के दौरान अपने बच्चों की प्रगति रिपोर्ट लेते हुए अभिभावक।

जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम को लेकर बैरागी समाज ने किया मंथन

झज्जर। बैठक के दौरान उपस्थित बैरागी समाज के लोग। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

जिला बैरागी समाज कार्यकारिणी एवं जिले के सभी सातों ब्लॉकों की संयुक्त बैठक बैरागी समाज कार्यालय में जिला प्रधान कुलदीप स्वामी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी 25 जनवरी को आयोजित होने वाले जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह एवं रक्तदान शिविर को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श करना रहा। कार्यक्रम को समाज के लिए प्रेरणास्रोत एवं ऐतिहासिक बनाने के लिए सभी के सुझाव लिए गए तथा कार्यक्रम की रूपरेखा, व्यवस्था, प्रचार-प्रसार एवं जिम्मेदारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। जिला प्रधान कुलदीप स्वामी ने कहा कि समाज की असली ताकत उसकी प्रतिभाएं होती हैं।

समाज के किसी भी क्षेत्र जैसे शिक्षा, खेल, सामाजिक सेवा, प्रशासन, संस्कृति, व्यवसाय अथवा अन्य क्षेत्रों में जिन भी बेटा-बेटियों एवं युवाओं ने समाज का नाम रोशन किया है, उन्हें इस जिला स्तरीय कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि रक्तदान शिविर मानव सेवा का सबसे बड़ा कार्य है और इस पुनीत कार्य में समाज के युवाओं की भागीदारी सराहनीय रहेगी।

दुख जीवन का एक हिस्सा अंत नहीं : भारद्वाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

दुख जीवन का एक हिस्सा है। दुख इंसान को अंदर तक झकझोर देता है लेकिन साथ ही उसे सोचने, समझने और खुद को परखने का अवसर भी देता है। अगर जीवन में दुख न हो तो सुख का कोई मूल्य नहीं। दुख हमें धैर्य सिखाता है, हमें विनम्र बनाता है और दूसरों के दर्द को समझने की क्षमता विकसित करता है। यह सच है कि दुख में हिम्मत हारने का डर रहता है लेकिन हर रात के बाद सुबह आती है। अगर इंसान हिम्मत न हारे तो दुख भी एक दिन सबक बन जाता है। यह बात प्राचीन खाटू श्याम मंदिर में पंडित शिव ओम भारद्वाज ने धर्म सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कही। धर्म सभा में योगेश रंजन, अनिल भारद्वाज, शिव ओम भारद्वाज ने भजनों से मन मोह लिया। इस दौरान जिप चेयरमैन कप्तान सिंह बिरधाना, नप चेयरमैन जिले सिंह सैनी, व्यापार मंडल के जिला प्रधान केशव सिंघल, गोशाला प्रधान प्रमोद बंसल, सनातन धर्म सोसाइटी के प्रधान प्रकाश चंद गर्ग, प्रीतम कुकडोला, पार्षद मिथुन शर्मा, पूर्व चेयरमैन ईश्वर शर्मा, पूर्व पार्षद नाहर सिंह, पार्षद दिनेश छिक्कारा, सुभाष गुर्जर, एडवोकेट पंकज शर्मा सहित अन्य भी मौजूद रहे।

सलाह अभिभावक अपने बच्चों की दिनचर्या पर दें ध्यान

जिले में नशे की रोकथाम को लेकर व्यापारी वर्ग चलाएगा मुहिम : केडी

बाजारों में नशे के दुष्प्रभावों को लेकर जागरुकता संदेश लगाए जाएंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

समाज में तेजी से बढ़ रही नशे की प्रवृत्ति को लेकर व्यापारी वर्ग ने गंभीर चिंता जताई है। इसी कड़ी में जिला व्यापार मंडल के संरक्षक केडी मेनपाल शर्मा ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति या परिवार की नहीं, बल्कि पूरे समाज की समस्या बन चुका है। इसकी रोकथाम के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है और व्यापारी वर्ग इस दिशा में संगठित होकर मुहिम चलाएगा। उन्होंने कहा कि व्यापारियों का समाज में एक प्रभावी स्थान होता है और यदि वे जागरुकता की भूमिका निभाएं तो इसका सकारात्मक असर व्यापक स्तर पर देखने को मिल सकता है। उन्होंने बताया कि इस मुहिम के तहत दुकानों, बाजारों और व्यावसायिक परिसरों में नशे के दुष्प्रभावों को लेकर जागरुकता संदेश लगाए जाएंगे। इसके साथ ही युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नशे की समस्या केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारी से जुड़ा हुआ मुद्दा है। उन्होंने कहा कि नशे को रोकना सामूहिक जिम्मेवारी है। इसमें व्यापारी, अभिभावक, शिक्षक, सामाजिक संगठन, प्रशासन, पुलिस सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे, तभी इस बीमारी को जड़ से खत्म किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि इस मुहिम में व्यापार मंडल द्वारा जन जागरूकता कार्यक्रम, संवाद गोष्ठियां और सामाजिक बैठकों का आयोजन किया जाएगा और लोगों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक नुकसान के बारे में बताया जाएगा। उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने बच्चों पर ध्यान दें, उनके साथ मित्रता पूर्वक व्यवहार करें,पढ़ाई के साथ साथ उन्हें खेलों से भी जोड़े, ताकि वे नशे से दूर रह सकें। उन्होंने कहा कि अगर समाज के सभी वर्ग नशे को समाप्त करने में संकल्पित भाव से एकजुट होकर कार्य करेगा तो निश्चित ही इस सामाजिक बुराई को समाप्त किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि इस संबंध में जल्द ही जिले भर के व्यापारियों की बैठक बुलाई जाएगी और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

झज्जर। केडी मेनपाल शर्मा, संरक्षक जिला व्यापार मंडल झज्जर।

सूचना

मैं, तेजपाल दलाल (Tejpal Dalal) पुत्र जगदेव सिंह (Jagdev Singh) निवासी मकान नंबर-102, सेक्टर-6, बहादुरगढ़, जिला झज्जर, हरियाणा घोषणा करता हूं कि मेरी जन्मतिथि 12/02/1966 है। मेरी दसवीं कक्षा के सर्टिफिकेट और मेरे सर्विस रिकॉर्ड में मेरा नाम तेज पाल (Tajpal) लिखा है। जबकि आधार कार्ड (9224-9039-2836) और पासपोर्ट (R0073096) में मेरा नाम तेजपाल दलाल (Tejpal Dalal) है। ये दोनों एक ही व्यक्ति अर्थात मेरे ही नाम हैं। मुझे भविष्य में मेरे सही नाम तेजपाल दलाल (Tejpal Dalal) पुत्र जगदेव सिंह (Jagcev Singh) के नाम से ही जाना व पहचाना जाए।

सूचना

मैं, सरिता देवी (Sarita Devi) पत्नी तेजपाल दलाल (Tejpal Dalal) निवासी मकान नंबर-102, सेक्टर-6, बहादुरगढ़, जिला झज्जर, हरियाणा घोषणा करता हूं कि मेरी जन्मतिथि 13/08/1973 है। मेरी दसवीं कक्षा के सर्टिफिकेट और मेरे सर्विस रिकॉर्ड में मेरा नाम सरिता (Sarita) लिखा है। जबकि आधार कार्ड (7573-8402-8638) और पासपोर्ट (Y9859875) में मेरा नाम सरिता देवी (Sarita Devi) है। मेरे बच्चों के दस्तावेजों में मेरा नाम सरिता दलाल (Sarita Dalal) है। ये तीनों एक ही व्यक्ति अर्थात मेरे ही नाम हैं। मुझे भविष्य में मेरे सही नाम सरिता देवी (Sarita Devi) पत्नी तेजपाल दलाल (Tejpal Dalal) के नाम से ही जाना व पहचाना जाए।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय ने अग्रसेन धर्मशाला में किया कार्यक्रम

खुश रहने के लिए सकारात्मक जीवनशैली अपनाएं : संजीव भाई

बहादुरगढ़। केक काटती चेयरपर्सन व ब्रह्माकुमारियां व कार्यक्रम में उपस्थित ब्रह्माकुमारियां। फोटो : हरिभूमि

दिल्ली पुलिस में इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत बीके संजीव भाई ने खुश रहने के लिए मार्गदर्शन किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा अग्रसेन धर्मशाला में नव वर्ष के उपलक्ष्य में कार्यक्रम किया गया। इसमें मोटिवेशनल स्पीकर एवं लाइफ कोच के रूप में दिल्ली पुलिस में इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत बीके संजीव भाई ने खुश रहने के लिए सोचने का तरीका बदलने और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया।

बहादुरगढ़ ब्रह्माकुमारी संस्था की मुख्य संचालिका अंजलि दीदी ने सभी को नए वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जैसे भोजन से शरीर को शक्ति मिलती है, वैसे ही आत्मा को भी परमात्मा की याद से बल मिलता है। चेयरपर्सन सरोज राठी ने भी नगरवासियों के लिए मंगलकामना की। बीके संजीव के अनुसार जीवन पर हमारी सोच का बहुत गहरा असर है। हमेशा विपरीत परिस्थितियों में भी सकारात्मक और खुश रहने की कोशिश करनी चाहिए। खुश रहने से हमारा जीवन समस्या और बीमारियों से मुक्त रहता है। हमें दुनिया को खुश करने की बजाय स्वयं को खुश रखना सीखना चाहिए। हम स्वयं खुश होंगे तो दूसरे के बारे में भी सकारात्मक और शुभ सोच सकेंगे। बीके विनीता दीदी, अमृता दीदी, रेणु दीदी, ममता और लक्ष्मी बहन के साथ बीके सुरेंद्र भाई और दिनेश भाई ने भी सभी को नए वर्ष की बधाइयां दी।

बहादुरगढ़। उत्कृष्ट स्वयंसेवकों को सम्मानित करते राकेश वत्स व कौमल गौतम। फोटो : हरिभूमि

अनामिका ने देशभक्ति कविता से राष्ट्रवाद का पाठ पढ़ाया

- अरुणाचल प्रदेश से सेवानिवृत एजुकेटर बलजीत छिकारा ने अपने अनुभव साझा किए
- राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एनएसएस कैंप के चौथे दिन अनेक गतिविधियां हुईं

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एनएसएस कैंप के चौथे दिन अनेक गतिविधियां हुईं। मुख्य वक्ता के रूप में अरुणाचल प्रदेश से सेवानिवृत्त एजुकेटर बलजीत छिकारा ने अपने अनुभव साझा किए। मंच का संचालन कोमल गौतम ने किया।

स्वयंसेविका अनामिका ने देशभक्ति कविता से सबको राष्ट्रवाद का पाठ पढ़ाया। स्वयंसेवक धीरज ने बताया कि स्कूल के बाद पिछले 4 साल से वह अपने पिता के व्यवसाय में अपना यथासंभव सहयोग देता है। ललित ने नृत्य और लघु नाटिका के माध्यम से अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी राकेश वत्स ने मुख्य अतिथि को पौधे देकर सम्मानित किया। बलजीत छिकारा ने स्वयंसेवकों को बताया कि अरुणाचल प्रदेश जैसे विषम परिस्थितियों वाले राज्य में भी बच्चे विकास के लिए संघर्ष करते हैं, जबकि हम भारत के सबसे उपजाऊ और अनुकूल स्थिति वाले हरियाणा राज्य में रहकर बहुत कुछ कर सकते हैं। वे 2006 में सेवानिवृत्त होने के बाद लगातार मेडिटेशन के माध्यम से शांति का प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें बिना किसी स्वार्थ के सदैव दूसरों की सेवा करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

बहादुरगढ़। हवन में आहुति डालते गांव कुलासी के निवासी। फोटो : हरिभूमि

हवन में आहुति डालकर सुख और समृद्धि की कामना की

बहादुरगढ़। गांव कुलासी की बड़ी चौपाल में रविवार को धर्म रक्षा व समाज में संस्कारों के संवर्धन के उद्देश्य से वैदिक रीति से हवन का आयोजन किया गया। हवन में आहुति डालकर लोगों ने सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। हवन में ओमवीर, सुरेश फौजी, विशाल कोच, रामेराम, दर्शन, धर्मवीर, शास्त्री मास्टर, महावीर, देवेंद्र, कार्तिक, वेदपाल, भोलू, राज, सुनील सहित अनेक उपस्थित रहे। इस दौरान बच्चों को सुशिक्षित व संस्कारवान बनने और सत्य मार्ग पर चलकर जीवन को आनंदमय बनाने का संदेश दिया गया।

बहादुरगढ़। अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लेते चयन समिति सदस्य। फोटो : हरिभूमि

अग्रसेन मेडिकल कॉलेज में फैकल्टी का चयन

बहादुरगढ़। महाराजा अग्रसेन केदार नाथ गुप्ता मेडिकल कॉलेज में दो दिनों तक वॉक-इन इंटरव्यू के माध्यम से फैकल्टी पदों की भर्ती हुई। इस भर्ती प्रक्रिया में देश के विभिन्न राज्यों के योग्य एवं अनुभवी अभ्यर्थियों ने भाग लिया। चयन समिति में डॉ. सुशील गुप्ता, डॉ. ओपी कालरा, डॉ. बीएल शेरवाल, डॉ. पूनम अग्रवाल, डॉ. हर्ष राज नेहरा तथा वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रेम गर्ग प्रमुख रूप से शामिल रहे। चयन समिति द्वारा अभ्यर्थियों के शैक्षणिक अनुभव, व्यावहारिक ज्ञान, क्लीनिकल दक्षता एवं शिक्षण क्षमता का गहन मूल्यांकन किया गया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

दिल्ली-एनसीआर के धावकों के बीच बहादुरगढ़ का नाम गर्व से ऊंचा किया

10 किलोमीटर की टफमैन रन में दौड़े बीआरजी के 52 धावक

सेवा राम, मनेंद्र, कृष्णा राणा रहे प्रथम, लक्ष्मी वर्मा व सन्नी रहे तृतीय

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित 10 किलोमीटर की टफमैन रन में बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप के 52 धावकों ने दौड़ लगाई। इनमें से कई ने टॉप रैंकिंग हासिल करते हुए दिल्ली-एनसीआर के धावकों के बीच बहादुरगढ़ का नाम गर्व से ऊंचा किया।

बीआरजी के सेवा राम ने 30 प्लस आयुवर्ग में प्रथम स्थान हासिल किया। मनेंद्र ने 14 प्लस आयु वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। लक्ष्मी वर्मा ने महिलाओं की 30 प्लस आयु वर्ग में तीसरा स्थान प्राप्त किया। कृष्णा राणा ने 60 प्लस में प्रथम स्थान हासिल किया।

सन्नी ने 30 प्लस में तीसरा स्थान, सत्यवान डागर ने 40 प्लस में चौथा स्थान, गुलाब सिंह ने 30 प्लस में चौथा स्थान हासिल किया। दीपक छिल्लर और डॉ. किरण छिल्लर के मार्गदर्शन में रचना, शक्ति राणा, देवेश तुली, सत्यवान, हंसराज विजयरण, नवीन डबास, मनोज बिष्ट, अभय श्रीवास्तव, पन्नेलाल यादव, अंकित राणा, आशुतोष कुमार सिंह, वैभव, संजय दत्त, कुणाल श्रीवास्तव, रवि चंद्र, सूरज सिंह, विपिन कुमार, जीवन, पंकज वर्मा, रितेश कुमार, अभिषेक, रंजन, अंकित, विजेंद्र कुमार, सुनील सिकरी, कौशल शर्मा, सेवा राम व डॉ. संतोष कुमार आदि ने दौड़ लगाई।

बहादुरगढ़। दौड़ के बाद जीत की खुशी मनाते बीआरजी के धावक। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देते समिति सदस्य व अतिथि।

सार्थक सेवा समिति ने धूमधाम से मनाया 10वां स्थापना दिवस

बहादुरगढ़। शहर के सक्रिय सामाजिक संगठन सार्थक सेवा समिति ने अपने स्थापना के 10 वर्ष पूरे होने पर रविवार को शहर के हरि गार्डन में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए समिति के प्रधान नफे सिंह कपूर ने सभी अतिथियों को समिति के कार्यों व उपलब्धियों के बारे में अवगत कराया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) राजेश्वर सिंह, विशिष्ट अतिथि के रूप में चेयरपर्सन सरोज राठी व उद्योगपति पवन कुमार जैन उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में सभी अतिथियों ने मिलकर ज्योति प्रज्ज्वलित की। इसके उपरांत अशोका इंटरनेशनल स्कूल और फिट-हब डांस स्टूडियो के बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस दौरान उड़ान सेवा समिति के कर्नल अनिल कुमार जून, क्लीन एंड ग्रीन से प्रदीप रेढू, विद्या दान महा दान से अजय ग्रेवाल, चंद्रभान मेमोरियल ट्रस्ट के सत्यपाल सिंह, संघर्षशील जनकल्या संघर्ष समिति के मनीष चाहर आदि भी कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट वितरित किए गए और अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट किए गए। समिति सदस्यों ने सभी से अनुरोध किया कि समाज के उत्थान में यथासंभव सार्थक सहयोग अवश्य दें।

युवा कांग्रेसियों ने मनाया दीपेंद्र हुड्डा का जन्मदिन

बहादुरगढ़। युवा कांग्रेस द्वारा सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा का जन्मदिन उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। युकां प्रदेशाध्यक्ष निशित कटारिया और प्रदेश मीडिया चेयरमैन प्रदीप यादव ने सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा से केक कटवाकर जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। दोनों नेताओं ने उनके राजनीतिक योगदान, युवाओं के प्रति उनकी सोच और हरियाणा के विकास में उनकी भूमिका को सराहा। उन्होंने कहा कि दीपेंद्र ने हमेशा युवाओं की आवाज को मजबूती से संसद में उठाया है। रोजगार, शिक्षा, खेल और किसान हितों से जुड़े मुद्दों पर उनका संघर्ष अनुकरणीय है।

बहादुरगढ़। गांव लोहारहेड़ी में विधायक राजेश जून का स्वागत करते ग्रामीण।

विधायक ने लोहारहेड़ी से शुरू किया जनसंपर्क अभियान

बहादुरगढ़। विधायक राजेश जून ने रविवार को लोहारहेड़ी गांव में अपने जनसंपर्क अभियान की शुरुआत करते हुए बीते एक साल की उपलब्धियां गिनवाईं। ग्रामवासियों ने उनका जोरदार स्वागत किया। बुजुर्गों ने क्षेत्र के निरंतर विकास और जनता की सेवा के लिए उन्हें आशीर्वाद दिया। विधायक राजेश जून ने कहा कि लोहारहेड़ी से शुरू हुआ यह अभियान बहादुरगढ़ विधानसभा के गांवों व शहरी क्षेत्र में निरंतर चलेगा। सीएम नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व में भाजपा सरकार के एक वर्ष के कार्यकाल में बहादुरगढ़ हलके में हुए विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। मौके पर युवराज छिल्लर, नरेश छिकारा, दया, राकेश दलाल, राजेश, राकेश छिकारा, सुरेश छिल्लर, जगबीर दलाल, सुनील, अजीत, सुखबीर फौजी, पप्पू, जस्सी जून, संदीप, अजय व लीलू नंबरदार आदि उपस्थित रहे।

एनएसएस कैंप में स्वयंसेवकों को समझाया सेवा का महत्व

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

गांव परनाला स्थित पीएम श्री राजकीय विद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के अंतर्गत एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों में सामाजिक सेवा, अनुशासन और सामुदायिक सहभागिता की भावना को विकसित करना रहा। इस अवसर पर सरपंच एसोसिएशन के प्रधान अशोक राठी, अध्यापक प्रमोद, पूजा, अमित व राजू आदि ने विद्यार्थियों को एनएसएस के महत्व के बारे में बताया और समाजसेवा के कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

बहादुरगढ़। कैंप में स्वयंसेवकों को प्रोत्साहित करते अशोक राठी।

रोबोटिक्स प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा, प्रस्तुत किए आधुनिक मॉडल

- संस्कारम पब्लिक स्कूल में अभिभावक शिक्षक संवाद कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

रविवार को संस्कारम पब्लिक स्कूल में नर्सरी कक्षा से लेकर बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए अभिभावक-शिक्षक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अभिभावकों का अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला, जहां लगभग 90 प्रतिशत अभिभावकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर बच्चों के भविष्य के प्रति अपनी सजगता का परिचय दिया। विद्यालय की आधुनिक रोबोटिक्स प्रयोगशाला में विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न वैज्ञानिक और क्रियाशील मॉडलों की प्रदर्शनी लगाई गई।

विद्यार्थियों ने अपनी तकनीकी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए मिट्टी की नमी बताने वाला अलार्म, स्वचालित द्वार, वर्षा की सूचना देने वाला यंत्र, स्वचालित सड़क रोशनी प्रणाली, रडार प्रणाली, दूरसंवेदी टैंक, यातायात संकेत बत्तियां और स्वचालित स्वच्छता मशीन जैसे उन्नत मॉडल प्रदर्शित किए। अभिभावकों ने इन परियोजनाओं का बारीकी से अवलोकन किया और नन्हे वैज्ञानिकों के आत्मविश्वास व तकनीकी ज्ञान की जमकर सराहना की। इसी दौरान नौवीं से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए विशेष कॅरियर परामर्श सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को भविष्य के विभिन्न विकल्पों और उभरते हुए वैश्विक अवसरों के बारे में जागरूक किया गया।

शिक्षकों ने प्रत्येक विद्यार्थी की शैक्षणिक प्रगति और अनुशासन पर व्यक्तिगत रूप से चर्चा की। कार्यक्रम के अंत में संस्कारम समूह के अध्यक्ष डॉक्टर महिपाल ने अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि इतनी भारी संख्या में अभिभावकों का आगमन और बच्चों के वैज्ञानिक नवाचार यह प्रमाणित करते हैं कि विद्यालय सही दिशा में अग्रसर है। उन्होंने शिक्षकों और नन्हें वैज्ञानिकों का उत्साहवर्धन करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

झज्जर। अपने बच्चों की प्रगति रिपोर्ट देखते हुए अभिभावक। फोटो : हरिभूमि

भापड़ौदा में कैंप लगाकर 152 ग्रामीणों की हड्डियां जांची

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

ब्रह्मशक्ति संजीवनी अस्पताल बहादुरगढ़ और नवजीवन अस्पताल रोहतक के संयुक्त तत्वावधान में गांव भापड़ौदा में एक निःशुल्क हड्डी रोग जांच शिविर का आयोजन किया गया। कैंप में 152 लोगों ने जांच करवाई। शिविर का शुभारंभ जेपी कौशिक, कर्मजीत राठी और अनिल राठी ने संयुक्त रूप से किया। उन्होंने कहा कि ऐसे स्वास्थ्य जांच शिविर ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिविर में हड्डी रोग एवं ज्वाइंट रिप्लेसमेंट विशेषज्ञ डॉ. कुनाल ने 152 ग्रामीणों की जांच की। उन्होंने घुटने और कूल्हे से संबंधित समस्याओं की विशेष जांच करने के बाद मरीजों को आवश्यक चिकित्सीय परामर्श दिया। मैनेजर विक्की शर्मा ने बताया कि शिविर में बीपी और शुगर की जांच की व्यवस्था भी की गई। जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं।

बहादुरगढ़। कैंप में ग्रामीणों की जांच करती अस्पताल कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि